महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विवि में भवन्स लॉयड्स विद्या निकेतन के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण

वर्धा, 07 अगस्त, 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में भवन्स लॉयड्स विद्या निकेतन, भूगांव के विद्यार्थियों ने शुक्रवार, 07 अगस्त को शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026' के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। भवन्स लॉयड्स विद्या निकेतन की प्राचार्या कीर्ति मिश्रा के मार्गदर्शन में अध्यापक योगेंद्र बाहे, शकुंतला यादव, अंजना ठाकुर सहित 80 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रदर्शन को देख कर भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्यकारों के विचारों, कृतियों और उनके योगदान को जाना। उन्हें संग्रहालय प्रभारी डॉ. अमित

विश्वास ने संग्रहालय में संरक्षित हजारों दुर्लभ पांडुलिपियों, ग्रंथों आदि के बारे में अवगत कराया। संग्रहालय में 19वीं सदी से अब तक की ऐतिहासिक महत्त्व की पत्रिकाएँ और पांडुलिपियाँ सुरक्षित हैं। इन कृतियों को देखने और पढ़ने का अनुभव साहित्य इतिहास के जीवंत स्पर्श का एहसास कराता है। संग्रहालय में तुलसीदास रचित हनुमान बाहुक, विजय दोहावली, विनयपत्रिका सटीक, षोड्श रामायण, कुंडलिया रामायण आदि की पांडुलिपियों को संरक्षित की गई हैं। हिंदी की साहित्यिक धरोहर के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा का विकास करने के उद्देश्य से संग्रहालय में उपलब्ध सामग्री की प्रदर्शनी लगायी गई।

प्रदर्शनी को वर्धा स्थित विभिन्न स्कूलों और महाविद्यालयों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भेंट दी। प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गयी दुर्लभ पांडुलिपियों और ग्रंथों का अवलोकन कर सभी ने इस प्रकार के अनूठे आयोजन की सराहना की।

हिंदी विश्वविद्यालयात भवन्स लॉयड्स विद्या निकेतनच्या विद्यार्थ्यांचा शैक्षणिक दौरा

वर्धा, ७ ऑगस्ट २०२६ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात भवन्स लॉयड्स विद्या निकेतन, भूगाव येथील विद्यार्थ्यांनी शुक्रवार, ७ ऑगस्ट रोजी शैक्षणिक दौरा केला. विद्यार्थ्यांनी स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालयात राष्ट्रीय शिक्षण धोरण २०२० ला सहा वर्षे पूर्ण झाल्याच्या निमित्ताने आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम २०२६ अंतर्गत भारतीय ज्ञानपरंपरेवरील प्रदर्शनाला भेट देऊन अवलोकन केले. शाळेच्या प्राचार्या कीर्ती मिश्रा यांच्या मार्गदर्शनाखाली शिक्षक योगेंद्र बाहे, शकुंतला यादव, अंजना ठाकूर यांच्यासह ८० हून अधिक विद्यार्थ्यांनी प्रदर्शन पाहून भारतीय ज्ञानपरंपरेतील साहित्यिकांचे विचार, त्यांच्या साहित्यकृती आणि योगदान यांची माहिती जाणून घेतली. संग्रहालयाचे प्रभारी डॉ. अमित विश्वास यांनी विद्यार्थ्यांना संग्रहालयात जतन करून ठेवलेल्या हजारो दुर्मिळ हस्तलिखिते, ग्रंथ आणि ऐतिहासिक साहित्यसंपदेची माहिती दिली. संग्रहालयात एकोणिसाव्या शतकापासून आजपर्यंतच्या ऐतिहासिक महत्त्वाच्या नियतकालिकांसह अनेक दुर्मिळ हस्तलिखिते सुरक्षित ठेवण्यात आली आहेत. या साहित्यकृतींचे अवलोकन आणि अध्ययन करताना साहित्याच्या इतिहासाचा जिवंत अनुभव मिळतो.

हिंदी साहित्याच्या समृद्ध वारशाच्या माध्यमातून भारतीय ज्ञानपरंपरेचा प्रसार आणि संवर्धन करण्याच्या उद्देशाने संग्रहालयातील उपलब्ध साहित्यसंपदेचे हे विशेष प्रदर्शन आयोजित करण्यात आले. या प्रदर्शनाला वर्ध्यातील विविध शाळा आणि महाविद्यालयांतील शिक्षक व विद्यार्थ्यांनीही भेट दिली. प्रदर्शनातील दुर्मिळ हस्तलिखिते आणि ग्रंथांचे अवलोकन करून उपस्थितांनी या अभिनव आणि ज्ञानवर्धक उपक्रमाचे मनापासून कौतुक केले.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305